समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

17 फरवरी 2026 को ‘फायर का छल्ला’ सूर्य ग्रहण, भारत मे नंहीं दिखेगा

Publisher

Published on 11 Feb 2026

ग्रहों और खगोल विज्ञान प्रेमियों के लिए **साल 2026 की पहली बड़ी खगोलीय घटना** — एक ??????? *(Annular)* ????? ????? — **17 फरवरी 2026 (मंगलवार)** को होने जा रही है। इस प्रकार के ग्रहण में चंद्रमा सूरज के केंद्र को ढक लेता है, लेकिन पूरी तरह से नहीं छिपा पाता, जिससे सूर्य के बाहर की रोशन परत ‘**आग के छल्ले**’ **(Ring of Fire)** जैसा दृश्य बनता है, जो बेहद शानदार लगता है।

? यह *“Ring of Fire”* सूर्य ग्रहण **दोपहर 3:26 बजे (IST)** के आसपास शुरू होगा और **शाम 7:57 बजे तक** चलेगा।
? वैज्ञानिकों का कहना है कि इस दौरान सूरज का लगभग **96% हिस्सा** चंद्रमा द्वारा ढका जाएगा।

भारत मे दृश्यता :
दुखद **ख़बर यह है कि यह ग्रहण भारत के आसमान से दिखाई नहीं देगा।** इसका असर और दृश्यता मुख्य रूप से दक्षिणी गोलार्ध में देखने को मिलेगी — विशेषतः **अंटार्कटिका**, **दक्षिणी अफ़्रीका**, और **दक्षिणी दक्षिण अमेरिका** जैसे क्षेत्रों में।

कैसे देखे:
भारत में रहने वाले खगोलीय उत्साही लोग इस घटना को टीवी या इंटरनेट पर **NASA समेत अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के लाइव स्ट्रीम** के ज़रिए देख सकते हैं, लेकिन ध्यान रहे कि **नक़ली या बिना विशेष सुरक्षा चश्मे के सीधे सूर्य की ओर देखना सुरक्षित नहीं है।**

भारत मे सूतक काल का असर ?
कई धर्म-केंद्रित ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार ग्रहण के समय ????? ???? लागू होता है, लेकिन चूँकि यह सूर्य ग्रहण भारत से दिखाई नहीं देगा, इसका स्थानीक धार्मिक असर भी नहीं माना जा रहा है।

यह सूर्य ग्रहण 2026 के खगोलीय कैलेंडर का पहला बड़ा इवेंट है, और इसके बाद **12 अगस्त 2026** को एक और **पूर्ण सूर्य ग्रहण**

भी होने की संभावना है (जो भारत में भी नहीं दिखाई देगा)।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.